प्रदेश में अनुकूल माहौल से बढ़ा एफडीआई

लखनऊ। निवेश किसी भी राज्य की प्रगति, सामाजिक व राजनीतिक माहौल का सूचकांक माना जाता है। जिस राज्य के कम अपराध दर, राजनीतिक स्थिरता और उद्योगों को बढ़ावा देने वाली नीतियां होती हैं वहां निवेश की रफ्तार तेज व ज्यादा होती है। विदेशी कंपनियों से आने वाले निवेश के मामले में ये मानक और भी ज्यादा संवेदनशील होते हैं। इस क्षेत्र में यूपी की छवि सुधरने से ही एफडीआई में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालयों के मुताबिक यूपी में 2000 से 2017 के बीच केवल 3018 करोड़ का एफडीआई आया। 14-15 में 679 करोड़, 15-16 में 524, 16-17 में महज 50 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आया। 2000 से 2014 के बीच 14 साल में भी करीब 1800 करोड़ ही एफडीआई के रूप में यूपी आए। ब्यूरो